THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) Yes, Sir. The UGC proposes to assist in the establishment of at least 10 Centres for Women's Studies in the Seventh Plan.

(b) These Centres are proposed to be developed as resource centres for strengthening Women's Studies programmes in the Universities, which can contribute towards development of new values through redesigned curricula and text books. These Centres will be responsible for curriculam development, preparation of teaching and learning materials, organisation of seminars/workshops, establishment of library resources on women's development, etc. Universities have been requested to submit their proposals, in case they wish to establish such centres, for consideration of the UGC. The Standing Committee of the UGC on Women's Studies would screen the proposals received from the Universities.

चन्द्रापुर और बीर टेलीफोन केन्द्रों का निर्माण करने में उपकरणों की अनुपलब्धता

1805. **श्री नरेश सी० पुगलिया :** क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि महाराष्ट्र के चन्द्रापुर व बीर शहरों के लिए 1000 लाइनों का टेलीफोन केन्द्र स्वीकृत होने के बावजूद भी उपकरण उपलब्ध न होने से टेलीफोन कनेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य अवरुद्ध है ;

(ख) यदि हां, तो उपकरण के कब तक उपलब्ध हो जाने की संभावना है ;

(ग) क्या टेलीफोन कनेक्शन की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए केन्द्रीय सरकार ने बंबई के अलावा अन्य शहरों के लिए स्वचालित टेलीफोन केन्द्रों की स्थापना के लिए स्वीकृति दी थी ; और

(घ) यदि हां, तो इसकार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है और ये केन्द्र किन-किन शहरों में स्थापित किये जायेंगे ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) जी, हां।

(ख) दोनों एक्सचेंजों के लिए उपस्कर 1989-90 तक उपलब्ध होने की संभावना है।

(ग) जी, हां।

(घ) उपस्कर उपलब्ध होने के तत्काल बाद कार्य संपन्न होने की संभावना है। शहरों के नाम किसी शहर विशेष के लिए उपस्कर सप्लाई पर निर्भर करता है। भारी क्षमता के एक्सचेंजों (ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है) (नीचे देखिए) की योजना तथा मध्यम क्षमता के एक्सचेंजों की योजना छोटे शहरों और स्थानों के लिए बनाई जाती है, बशर्ते कि उपस्कर और मांग उपलब्ध हो।

विवरण

महाराष्ट्र सर्किल में सातवीं योजना के दौरान जहां आटोमेटिक एक्सचेंज स्थापित किए जाने की योजना है उनमें कुछ शहरों के नाम

1. इचल करांजी
2. मालेगांव
3. जालना
4. सतारा
5. डोम्बीवली
6. नानडेड
7. भिवंडी
8. गोंदिया
9. लातर
10. धुलिया